भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

16.09.2020 के

अतारांकित प्रश्न सं. 478 का उत्तर

सामाजिक-आर्थिक कार्यकलाप

478. श्री नारणभाई काछड़ियाः
श्रीमती गीताबेन वी. राठवाः
श्री जसवंतसिंह सुमनभाई भाभोरः
श्री जॉन बर्लाः
श्री परबतभाई सवाभाई पटेलः
श्री प्रदीप कुमार सिंहः
श्री शान्तनु ठाकुरः

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या रेलवे का ग्रामीण एवं शहरी समुदायों को लाभ प्रदान करने हेतु अनेक सामाजिक-आर्थिक कार्यकलाप आरंभ करने का विचार है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या रेलवे द्वारा आरंभ किये जाने हेतु प्रस्तावित सामाजिक-आर्थिक कार्यकलापों में कौशल विकास को सम्मिलित किये जाने की संभावना है; और
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री (श्री पीयूष गोयल)

(क) और (ख): भारतीय रेल, मौजूदा रेलवे प्रणाली पर गाड़ियां/विशेष गाड़ियां चलाने के अतिरिक्त, नई लाइनों, आमान परिवर्तन, दोहरीकरण, विद्युतीकरण, पुलों आदि सहित विभिन्न अवसंरचना परियोजनाएं निष्पादित कर रही है जो ग्रामीण और शहरी दोनों समुदायों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष लाभ प्रदान करती हैं। रेलवे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सामाजिक-आर्थिक गतिविधियों को गति देने के लिए गरीब कल्याण रोजगार योजना के तहत चिन्हित

Sk

जिलों में रेल अवसंरचना संबंधी निर्माण कार्यों के निष्पादन में भी तेजी ला रही है। भारतीय रेल ने राज्य सरकार/स्थानीय प्राधिकरण द्वारा निष्पादन के लिए महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) योजना के तहत कई निर्माण कार्यों की भी पहचान की है जो ग्रामीण समुदायों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष लाभ प्रदान करते हैं।

(ग) और (घ): कौशल विकास के लिए, भारतीय रेल, प्रशिक्षु अधिनियम, 1961 के तहत प्रशिक्षुओं को पहले ही प्रशिक्षण प्रदान कर रही है।

******

Sk